जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 28
दिनांक 31.01.2023

शिक्षा का भविष्य तय करने में अकादमिक प्रबंधन प्रणाली अति महत्वपूर्ण–डॉ. पी.के. मिश्रा

दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रोग्राम एवं एकेडमिक मैनेजमेंट सिस्टम एग्री दीक्षा कार्यशाला आयोजित

जबलपुर 31 जनवरी, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत संचालित आईएबीएम स्थित कौटिल्य सभागार में दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रोग्राम एवं ''एकेडमिक मैनेजमेंट सिस्टम'' एग्री दीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरान ''एकेडमिक मैनेजमेंट सिस्टम'' (एएमएस) की लांचिग मुख्यअतिथि कुलपति डॉ. पीके मिश्रा और डॉ. आर.सी. अग्रवाल, डीडीजी एण्ड नेशनल डायरेक्टर (नाहेप) आईसीएआर नई दिल्ली द्वारा ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि शिक्षा का भविष्य तय करने में अकादमिक प्रबंधन प्रणाली अति महत्वपूर्ण है। दुनिया बदल रही है, अधिक सटीक होने के लिये, शिक्षा के आसपास की दुनिया अधिक प्रौद्योगिकी एकीकृत होती जा रही है। प्रवेश से लेकर मान्यता तक अपनी दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों को आसानी से प्रबंधित करने के लिये संस्थानों के लिये एक अकादमिक प्रबंधन प्रणाली एक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से छात्रों एवं वैज्ञानिक सहित अन्य को सभी प्रकार की जानकारी बड़ी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप पहलवान, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. पी.बी. शर्मा, कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया, डिप्टी कंट्रोलर डॉ. अजय खरे एवं डॉ. आर. सी. गोयल, आईटी कन्सलटेंट आईसीएआर, आईएएसआरआई, नई दिल्ली मंचासीन रहे।

डॉ. आर. सी. गोयल, आईटी कन्सलटेंट आईसीएआर, आईएएसआरआई, नई दिल्ली ने एकेडमिक मैनेजमेंट सिस्टम के प्रशिक्षण के संबंध में अपनी महत्वपूर्ण जानकारी प्रशिक्षार्थियों को देते हुये कहा कि, वर्तमान युग सूचना क्रांति का है। यहां पर छात्रों की जानकारी दुनिया के किसी भी स्थान से प्राप्त की जा सकती है और कई वर्षो तक डेटा भी संरक्षित रखा जा सकता है। एएमएस के नोडल अधिकारी डॉ. आर. के. समैया ने दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी व इसके महत्व के बारे में बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुपमा वर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ए.के. राय द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में नाहेप प्रमुख के डॉ. आर.के. नेमा, आईएबीएम के डायरेक्टर डॉ. मोनी थॉमस, कीटशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जयंत भट्ट, कृषि अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.बी नाहटकर, सुरक्षा अधिकारी वाय. एम. शर्मा, तकनीकी अधिकारी (प्रशासनिक) डॉ. अनय रावत, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल, इंजी. श्री एस.के. जैन, श्री विवेक बड़े, इजी. आलोक राजपूत सहित सभी विभाागों के विभागाध्यक्ष एवं वैज्ञानिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।